Bihar Board Class 6 Science Notes Chapter 5 पृथक्करण

अध्ययन सामग्री:

किसी पदार्थ का उपयोग करने से पहले यानि उसकी शुद्धता एवं प्रमाणिकता के लिए उसमें मिले हानिकारक तथा अनुपयोगी पदार्थों को अलग करने की प्रक्रिया को पृथक्करण कहते हैं।

पृथक्करण करने की अनेक विधियाँ होती हैं। जैसे-चुनना, चालना, ओसाना, क्रोमेटोग्राफी आदि।

मनुष्य अपने दिनचर्या में इस प्रक्रिया का बहुत अधिक प्रयोग करता है। जैसे—चावल से कंकड़ निकालना। किसी भोज्य पदार्थ से अवांछित पदार्थ को निकालना आदि। यानि पृथक्करण हमलोगों के लिए बहुत ही उपयोगी प्रक्रिया है। क्योंकि घर से लेकर प्रयोगशाला तक ही नहीं बड़े-बड़े उद्योग में भी इस प्रक्रिया का प्रयोग किया जाता है। कहीं यह प्रक्रिया ठोस से ठोस को अलग करने तो कहीं ठोस को द्रव से तो कहीं ठोस को गैस से या गैस से गैस को अलग करने का प्रयोग किया जाता है।

घुलनशील पदार्थ को छानकर अघुलनशील पदार्थ से अलग किया जाता है, उन्हें छानना कहते हैं। पानी से नमक के घोल को वाष्पन विधि से अलंग किया जाता है। यानि विलयन से द्रव को गर्म कर वाष्प में बदल कर अलग कर लिया जाता है। मिट्टी-पानी के घोल को कुछ देर तक स्थिर छोड़ देते हैं जिससे मिट्टी नीचे बैठ जाती है जिसे थिराना कहते हैं। कुछ ऐसे पदार्थों के मिश्रण होते हैं जिसे-चुनना, चालना तथा छानना प्रक्रिया से अलग किया जाता है। इसके अलावे भी क्रोमेटोग्राफी भी एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जिससे चीजों को अलग किया जाता है। यह प्रक्रिया व्यापक स्तर पर दवा उद्योग, रंग-उद्योग आदि में किया जाता है।

इस प्रकार इस अध्याय का अध्ययन महत्वपूर्ण है।

https://www.evidyarthi.in/